लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 17 February 2023

JAGRAN CITY PAGE I

लवि को तंबाकू मुक्त बनाने के लिए अभियान

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय को तंबाकू मुक्त परिसर बनाने के लिए गुरुवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने यलो लाइन अभियान का शुभारंभ किया। उत्तर प्रदेश स्वैच्छिक स्वास्थ्य कल्याण से आए विवेक अवस्थी एवं तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल आफिसर ने संयुक्त रूप से पीले गुब्बारे उड़ाकर परिसर को तंबाकू मुक्त बनाने का संदेश दिया। इस मौके पर प्रो. पूनम टंडन, कुलसचिव संजय मेधावी, एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक प्रो. रूपेश कुमार, डा. केया पांडेय उपस्थित रहीं। (जासं)

प्रयोगात्मक परीक्षा 20 से

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग ने एमएससी प्रथम सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षा की तिथि जारी कर दी। यह परीक्षा 20 व 25 फरवरी को दोपहर एक से शाम चार बजे तक होंगी। (जासं)

वाद विवाद प्रतियोगिता

लखनऊ : अटल बिहारी नगर निगम डिग्री कालेज में गुरुवार को जी 20 सम्मेलन के आलोक युवा महोत्सव में वाद-विवाद एवं डिक्लेमिंग राइटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। मुख्य अतिथि सहायक नगर आयुक्त यमुनाधर चौहान उपस्थित रहे। कालेज के प्राचार्य डा. सुभाष चंद्र पांडेय ने बताया कि वाद-विवाद प्रतियोगिता में 35 और डिक्लेमिंग राइटिंग में 18 महाविद्यालयों के विद्यार्थी शामिल हुए। निर्णायक मंडल के सदस्य प्रो. सुधीर हलेला, प्रो. हिमांशु रस्तोगी, प्रो. विजय प्रताप, प्रो. डीके सिंह मौजूद रहे। (जासं)

असिस्टेंट प्रोवोस्ट बने

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने द्वितीय परिसर के लिए गुरुवार को 19 एडिशनल व असिस्टेंट प्रोवोस्ट की संशोधित सूची जारी कर दी। इसमें कई नए शिक्षकों को भी जिम्मेदारी दी गई है। (जासं)

i-NEXT PAGE 2

मछलियों पर शोध का मिलेगा लाभ

LUCKNOW (16 Feb): लखनऊ विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग के एमएससी व रिसर्च स्टूडेंट्स को अब मछलियों से जुड़े आनुवंशिक रिसर्च से लेकर डीएनए निकालने सहित कई चीजें जानने और सीखने का मौका मिलेगा. इसके लिए विश्वविद्यालय ने इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चरल रिसर्च के राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो के साथ गुरुवार को एमओयू किया. एमओयू पर एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय और आनुवंशिकी संसाधन ब्यूरो के निदेशक डा. उत्तम कुमार सरकार ने साइन किए.

इंटर्नशिप भी कर सकेंगे

जंतु विज्ञान विभाग के हेड प्रोफेसर एम सेराजुद्दीन ने बताया कि विभाग के पीजी स्टूडेंट्स राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो में इंटर्नशिप और डिजरटेशन का कार्य कर सकेंगे. रिसर्च स्टूडेंट्स वहां के वैज्ञानिकों को अपना सह पर्यवेक्षक बना सकते हैं. शोध ग्रंथ का कार्य करने में भी वहां की सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे. एमओयू होने से राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो जूनियर रिसर्च फेलोशिप, सीनियर रिसर्च फेलोशिप, पोस्ट डाक फेलोशिप के अवसर आने पर लखनऊ विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स को वरीयता देगा. कार्फ्रेंस, ट्रेनिंग प्रोग्राम भी होंगे. एमओयू के मौके पर डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर पूनम टंडन, डा. एलके त्यागी, प्रो.गीतांजलि मिश्रा, डा. कल्पना सिंह, डा. अमित त्रिपाठी व डा. मनोज कुमार भी उपस्थित रहे.

बदलेगा चार साल का यूजी कोर्स

यूजीसी और राज्यपाल की ओर से जारी पत्र के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय ने बनाई कमेटी

LUCKNOW (16 Feb): लखनऊ विश्वविद्यालय अब राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत पढ़ाए जा रहे चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में बदलाव करेगा. यूजीसी की ओर से इस पाठ्यक्रम के क्रेडिट फ्रेम वर्क और राज्यपाल द्वारा इसे अध्यादेश में शामिल करने के संबंध में भेजे गए पत्र के बाद कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इसके लिए कमेटी का गठन कर दिया है. कमेटी जल्द ही बैठक कर यूजीसी के चार वर्षीय स्नातक क्रेडिट फ्रेमवर्क का अध्ययन करेगी. गुरुवार को कमेटी का नोटिफिकेशन कुलसचिव संजय मेधावी ने जारी किया.

एक साल में 48 क्रेडिट

एलयू ने वर्ष 2021-22 से चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम लागू किया था. इसके तहत प्रत्येक सेमेस्टर में 24 और पूरे साल में 48 क्रेडिट रखे गए हैं. वहीं, यूजीसी के क्रेडिट फ्रेम वर्क में इसकी संख्या कुछ कम है.

विश्वविद्यालय की डीन एकेडमिक्स एवं कमेटी की कोआर्डिनेटर प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि चार वर्षीय पाठ्यक्रम काफी हद तक यूजीसी की ओर से निर्धारित किए गए पाठ्यक्रम के आसपास ही है. इसमें क्रेडिट सिस्टम व अन्य जो भी भिन्नताएं हैं, उसे अपने पाठ्यक्रम में शामिल करने पर कमेटी ड्राफ्ट तैयार करेगी.

पहले वाला कोर्स ही पढ़ना है

प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि चार वर्षीय कोर्स में जो भी बदलाव होगा, वह नए सत्र में प्रवेश लेने वाले स्नातक के विद्यार्थियों पर लागू किया जाएगा. पुराने विद्यार्थियों को पहले वाला ही पाठ्यक्रम पढ़ना है.

कमेटी में इन्हें किया शामिल

कोआर्डिनेटर प्रो. पूनम टंडन, वाणिज्य संकाय के प्रो. आरके माहेश्वरी, कला संकाय अध्यक्ष प्रो. अरविंद अवस्थी, भूगर्भ विज्ञान विभाग के प्रो. विभूति राय आदि को कमेटी में शामिल किया गया है.

पीएचडी के अध्यादेश में भी होगा संशोधन

एलयू ने पीएचडी अध्यादेश में बदलाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है. इसके लिए बनी कमेटी की पहली बैठक गुरुवार शाम को हुई. इसमें यूजीसी की ओर से पीएचडी के संशोधित अध्यादेश में किए गए प्राविधान पर चर्चा की गई. डीन एकेडमिक्स एवं कमेटी कोआर्डिनेटर प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि यूजीसी ने नई शिक्षा नीति के तहत पीएचडी के अध्यादेश में बदलाव किया है. इसमें चार साल के स्नातक के बाद सीधे पीएचडी में दाखिला देने, आनलाइन पीएचडी के लिए कुलपति या डीन की अनुमति न लेने, विदेशी छात्रों के प्रवेश प्रक्रिया, दो रिसर्च पब्लिकेशन की अनिवार्यता खत्म होने, पीएचडी में प्रवेश वालों को आनलाइन कोर्स वर्क की सुविधा यूजीसी के माड्यूल से मिलने, रिसर्च एथिक्स का कोर्स शामिल करने एवं चार साल के यूजी कोर्स को पूरा करने वालों को पीएचडी में प्रवेश के लिए 75 फीसद अंक स्नातक में होने सहित कई नई चीजें शामिल की गई हैं. जल्द ही इसका ड्राफ्ट तैयार कर कुलपति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में 19 एडिशनल प्रॉक्टर नियुक्त

लखनऊ। लविवि में बृहस्पतिवार को कुलसचिव ने एक एडिशनल व 18 असिस्टेंट प्रॉक्टरों की तैनाती की। कुलसचिव ने कुलपति के अनुमोदन के बाद विधि, आईएमएस, आईटीएस, इंजीनियरिंग, रेन्यूएबल एनर्जी, फार्मास्यूटिकल साइंस व डॉ जीएल गुप्ता आईपीएच विभागों में इनकी तैनाती की है। इनमें प्रो. मो. अहमद, प्रो. राज कुमार, प्रो. हरीश चंद्र राम, प्रो. सतीश चंद्रा, डॉ. अभिषेक तिवारी आदि शामिल हैं। (संवाद)

20 व 25 को एमएससी के प्रैक्टिकल

लखनऊ। लविवि ने बृहस्पतिवार को एमएससी प्रथम सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षाओं का शेड्यूल जारी कर दिया। 20 फरवरी को डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस के एमएससी प्रथम सेमेस्टर के बच्चों का दोपहर एक से शाम चार बजे तक डाटाबेस ओरेकल का प्रैक्टिकल होगा। वहीं, 25 फरवरी को दोपहर एक से शाम चार बजे तक डाटा वेयर हाउस एंड डाटा माइनिंग का प्रैक्टिकल होगा। (संवाद)

कमेटी तैयार करेगी चार वर्षीय स्नातक कोर्स

लखनऊ। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रमों की संरचना पर दोबारा विचार करने के लिए सात सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। कुलसचिव संजय मेधावी के मुताबिक, प्रो. आरके माहेश्वरी, प्रो. अरविंद अवस्थी, प्रो. विभूति राय, नेताजी सुभाष चंद्र बोस पीजी कॉलेज के प्रधानाचार्य, आईटी पीजी कॉलेज की प्रधानाचार्य व प्रो. संगीता साहू को सदस्य और प्रो. पूनम टंडन को सदस्य समन्वयक बनाया गया है। (संवाद)

आईसीएआर-एनबीएफजीआर से एमओयू

लखनऊ। लविवि ने बृहस्पतिवार को आईसीएआर-एनबीएफजीआर से शोधार्थियों को लाभ पहुंचाने की दिशा में एक एमओयू साइन किया। एमओयू के तहत जंतुविज्ञान के पीजी छात्र छात्राएं इंटर्नशिप व डेजरटेशन का लाभ ले पाएंगे। शोध छात्र एनबीएफजीआर के वैज्ञानिकों को अपना सह पर्यवेक्षक बना सकते हैं। इस दौरान प्रो. गीतांजलि मिश्रा, डॉ. कल्पना सिंह, डॉ. अमित त्रिपाठी व डॉ. मनोज कुमार उपस्थित रहे। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 6

एनबीएफजीआर में इंटर्नशिप करेंगे छात्र

लखनऊ। एलयू ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय मत्स्य अनुवांशिक संसांधन ब्यूरो (आईसीएआर-एनबीएफजीआर) के साथ गुरुवार को एमओयू साइन किया। कुलपति प्रो. आलोक राय और आईसीएआर-एनबीएफजीआर निदेशक डॉ. उत्तम कुमार सरकार ने दोनों संस्थाओं के शोधार्थियो को शैक्षणिक लाभ पहुंचाने के लिए एमओयू हस्ताक्षर किया। जन्तु विज्ञान के परास्नातक व शोध छात्र छात्राओं को लाभ मिलेगा। छात्र वहां पर इंटर्नशिप व शोध कर सकेंगे।

यूजी पाठ्यक्रम पर दोबारा विचार करेगी कमेटी

लखनऊ। एलयू में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से तैयार किए गए चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रमों पर दोबारा विचार करने के लिए कमेटी का गठन किया गया है। कुलसचिव संजय मेधावी ने गुरुवार को बताया कि राज्यपाल सचिवालय से इस संबंध में पत्र प्राप्त हुआ था। डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन की संस्तुति पर कमेटी का गठन किया गया।

एडिशनल प्रॉक्टर बने प्रो. मोहम्मद अहमद

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के दूसरे कैंपस के लिए गुरुवार को एक अतिरिक्त और 18 सहायक कुलानुशासक नियुक्त किए गए हैं। इसमें लॉ विभाग के प्रो. मोहम्मद अहमद को अतिरिक्त कुलानुशासक पद पर नियुक्त किया गया। जबकि लॉ के ही प्रो. राज कुमार, प्रो. हरीश चंद्र राम, प्रो. सतीश चंद्रा और डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी को सहायक कुलानुशासक बनाया गया।

JAGRAN CITY PAGE I

चार साल के स्नातक पाठ्यक्रम में होगा बदलाव

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय अब राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत पढ़ाए जा रहे अपने चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में बदलाव करेगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से इस पाठ्यक्रम के क्रेडिट फ्रेम वर्क और राज्यपाल द्वारा इसे अध्यादेश में शामिल करने के संबंध में भेजे गए पत्र के बाद कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इसके लिए कमेटी का गठन कर दिया है।

कमेटी जल्द ही बैठक कर यूजीसी के चार वर्षीय स्नातक क्रेडिट फ्रेमवर्क का अध्ययन करेगी। गुरुवार को कमेटी का नोटिफिकेशन कुलसचिव संजय मेधावी ने जारी कर दिया। लवि ने वर्ष 2021-22 से चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (एनईपी) लागू कर दिया था। इसके तहत प्रत्येक सेमेस्टर में 24 और पूरे साल में 48 क्रेडिट रखे गए हैं। वहीं, यूजीसी के क्रेडिट फ्रेम वर्क में इसकी संख्या कुछ कम है।

विश्वविद्यालय की डीन एकेडमिक्स एवं कमेटी की कोआर्डिनेटर प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि लवि का चार वर्षीय पाठ्यक्रम काफी हद तक यूजीसी की ओर से निर्धारित किए गए पाठ्यक्रम के आसपास ही बना है। इसमें क्रेडिट सिस्टम व अन्य जो भी भिन्नताएं हैं, उसे अपने पाठ्यक्रम में शामिल करने पर कमेटी विचार विमर्श करके ड्राफ्ट तैयार करेगी। उसी आधार पर सभी विभाग विषयवार सिलेबस को अपडेट भी करेंगे। उन्होंने बताया कि चार वर्षीय पाठ्यक्रम में जो भी बदलाव होगा, वह नए सत्र में प्रवेश लेने वाले स्नातक के विद्यार्थियों पर लागू किया जाएगा। पुराने विद्यार्थियों को पहले वाला ही पाठ्यक्रम पढ़ना है।

कमेटी में इन्हें किया शामिल : कोआर्डिनेटर प्रो. पूनम टंडन, वाणिज्य संकाय के प्रो. आरके माहेश्वरी, कला संकाय अध्यक्ष प्रो. अरविंद अवस्थी, भूगर्भ विज्ञान विभाग के प्रो. विभूति राय, नेता जी सुभाष चंद्र बोस राजकीय पीजी कालेज की प्राचार्या प्रो. अनुराधा तिवारी, आइटी कालेज की प्राचार्या डा. वी प्रकाश, लवि के व्यापार प्रशासन विभाग की प्रो. संगीता साहू को बतौर सदस्य शामिल किया गया है।

पीएचडी के अध्यादेश में भी होगा संशोधन

लवि ने पीएचडी अध्यादेश में बदलाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए बनी कमेटी की पहली बैठक गुरुवार शाम को हुई। इसमें यूजीसी की ओर से पीएचडी के संशोधित अध्यादेश में किए गए प्रविधान पर चर्चा की गई। डीन एकेडमिक्स एवं कमेटी कोआर्डिनेटर प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि यूजीसी ने नई शिक्षा नीति के तहत पीएचडी के अध्यादेश में बदलाव किया है। इसमें चार साल के स्नातक के बाद सीधे पीएचडी में दाखिला देने, आनलाइन पीएचडी के लिए कुलपति या डीन की अनुमति न लेने, विदेशी छात्रों के प्रवेश प्रक्रिया, दो रिसर्च पब्लिकेशन की अनिवार्यता खत्म होने, पीएचडी में प्रवेश वालों को आनलाइन कोर्स वर्क की सुविधा यूजीसी के माड्यूल से मिलने, रिसर्च एथिक्स का कोर्स शामिल करने एवं चार साल के यूजी कोर्स को पूरा करने वालों को पीएचडी में प्रवेश के लिए 75 फीसद अंक स्नातक में होने सहित कई नई चीजें शामिल की गई है। जल्द ही ड्राफ्ट कुलपति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। बैठक में प्रो. बिमल जायसवाल, प्रो आरपी सिंह, प्रो विभूति राय, प्रो. आरके सिंह उपस्थित रहे।

मछलियों के आनुवंशिक रिसर्च का मिलेगा मौका

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) के जंतु विज्ञान विभाग के एमएससी व शोध छात्र-छात्राओं को अब मछलियों से जुड़े आनुवंशिक रिसर्च से लेकर डीएनए निकालने सहित कई चीजें जानने और सीखने का मौका मिलेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय ने इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चरल रिसर्च के राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो के साथ गुरुवार को एमओयू किया। इस एमओयू से पीएचडी के विद्यार्थियों को भी वहां शोध करने के अवसर प्राप्त होंगे। एमओयू पर लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और आनुवंशिकी संसाधन ब्यूरो के निदेशक डा. उत्तम कुमार सरकार ने हस्ताक्षर किए।

एमओयू पर कुलपति प्रो. आलोक राय व आनुवंशिकी संसाधन ब्यूरो के निदेशक डा. उत्तम सरकार ने हस्ताक्षर किए • सौ. लवि

जंतु विज्ञान विभाग के हेड प्रोफेसर एम सेराजुद्दीन ने बताया कि विभाग के परास्नातक छात्र-छात्राएं राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो में इंटर्नशिप और डिजरटेशन का कार्य कर सकेंगे, जिससे उनकी शैक्षणिक गुणवत्ता में लाभ होगा। शोध छात्र-छात्राएं वहां के वैज्ञानिकों को अपना सह पर्यवेक्षक बना सकते हैं। उन्होंने बताया कि एमओयू होने से राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ), सीनियर रिसर्च फेलोशिप, पोस्ट डाक फेलोशिप के अवसर आने पर लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को वरीयता देगा। इस मौके पर प्रो पूनम टंडन, डा. एलके त्यागी, प्रो.गीतांजलि मिश्रा, डा. कल्पना सिंह, डा. अमित त्रिपाठी व डा. मनोज कुमार उपस्थित रहे।

TARUN MITRA PAGE 12

यूथ फेस्ट के दूसरे दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मची धूम

लखनऊ, 16 फरवरी (तरुणमित्र)। राजधानी के तीन प्रमुख डिग्री कॉलेजों में श्री गुरु नानक पीजी कॉलेज, अटल बिहारी वाजपेई नगर निगम डिग्री कॉलेज और क्रिश्चियन पीजी कॉलेज में लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के मार्ग निर्देशन में इंटरकॉलेजिएट यूथ फेस्ट की प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। नगर निगम डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुभाष चन्द्र पाण्डेय ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहायक नगर आयुक्त यमुनाधार चौहान एवं विभिन्न शिक्षण संस्थानों से आए अध्यापकों, प्रतिनिधि का स्वागत करते हुए सभी अतिथियों व प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को शुभकामना दी। वहीं, मुख्य अतिथि यमुनाधर चौहान ने कहा कि प्रतियोगिता जीवन के प्रत्येक मोड़ पर होती हैं जिनको हमें अपने परिश्रम, विवेक से जीतना होता है। श्री गुरु नानक पीजी कॉलेज में मुख्य अतिथि लविवि से प्रो. अलका पांडेय और प्रसिद्ध गायक हर्षित मिश्रा रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुरभि गर्ग द्वारा दैनिक प्रार्थना देहि शिवा वर मोहे से हुआ।

यहां आयोजित प्रतियोगिताओं में मुख्य रूप से एकल शास्त्रीय गायन, एकल लोक गायन, एकल वादन प्रतियोगिता और समूह लोकगीत थी। क्रिश्चियन पीजी कॉलेज में शास्त्रीय नृत्य के साथ अन्य कई प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने हर्षोल्लास के साथ भाग लिया। इसी तरह हरदोई में सुभाष चंद्र बोस पीजी कॉलेज में युवा महोत्सव का रंगारंग आयोजन हुआ। जिसमें कॉलेज के प्रबंधक और प्राचार्य डॉ.डीएन सक्सेना के साथ लविवि से सांस्कृतिकी के प्रतिनिधि डॉ. संदीप कुमार पुंडीर और जेपी वर्मा पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आईपी सिंह उपस्थित थे।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

युवा महोत्सव : प्रतिभागियों ने मन मोहा

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालयी युवा महोत्सव 2023 के नोडल केन्द्र के रूप में लखनऊ क्रिश्चियन डिग्री कॉलेज में वृहस्पतिवार को मोनो एक्टिंग, स्टैंड अप कामेडी, सोलो डांस ग्रुप डांस (क्लासिकल एवं फोक) आयोजित किये गए। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डा. डीजे गोडिन ने मुख्य अतिथि श्रेयांश मंडलोई संगठन मंत्री विज्ञान भारती तथा रंगमंच के मशहूर अभिनेता एवं निर्देशक प्रभात कुमार वोस के साथ दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

■ क्रिश्चियन कॉलेज में अन्तर महाविद्यालयी युवा महोत्सव
■ विजेता प्रतिभागियों पर है भारतीय संस्कृति को बचाए रखने की जिम्मेदारी : गोडिन

युवा महोत्सव में लखनऊ जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। स्टैंड अप कमेडी की अधिकांश प्रस्तुतियां छात्र जीवन और महाविद्यालय जीवन पर आधारित रही। मोनो एक्टिंग की अधिकांश प्रस्तुति उसे कैरियर की जददोजहद तथा परिवार विशेषकर घर से वाहर रहकर पढ़ते हुए पारिवारिक विशेषकर मां की याद तथा उनके द्वारा दी जाने वाली डांट पर आधारित रही। महाविद्यालयों से आए प्रतिभागियों ने भारतीय संस्कृति के गौरव तथा अनेकता में एकता की छवि को अपने नृत्यों के माध्यम से प्रस्तुत करते हुए विभिन्न प्रदेशों के लोक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से वसुधैव कुटुंबकम की उक्ति को मंच पर साकार किया। लोक नृत्य में घूमर, भांगड़ा, विहू, डांडिया, जैसे लोक नृत्यों की प्रस्तुतियां दीं। युवा उत्सव की प्रत्येक प्रस्तुति के वाद सम्मानित निर्णायक मंडल द्वारा प्रथम, द्वितीय वा तृतीय पुरस्कार की घोषणा की गयी। आज के उत्सव के विजेता प्रतिभागी शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

युवा महोत्सव के समापन अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डा. डीजे गोडिन ने विजेता प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप सभी की जिम्मेदारी है कि भारतीय संस्कृति और उसके गौरव की ऐतिहासिकता को बनाए रखें। युवा महोत्सव का संचालन डा. सरविंद कुमार, डा. ईशा वी लाल द्वारा किया गया। महोत्सव में निर्णायक मेडल के रूप में 35 वर्षो से रंगमंच से जुड़े अभिनेता/निर्देशक प्रभात कुमार वोस तथा नृत्य के निर्णायिक मंडल के रूप में लखनऊ कैथेड्रल चर्च की तथा कथक केलखनऊ घराने से प्रशिक्षित अदिति छेत्री के साथ लखनऊ की एकमात्र हिप हॉप आर्टिस्ट तान्या ठाकुर उपस्थित रही। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों को नृत्य की वारीकियों से परिचित कराया। युवा महोत्सव के अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक डा. ऋषि कुमार मिश्र के साथ ही लखनऊ जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से प्रतिभागी एवं शिक्षक उपस्थित रहें।

AMRIT VICHAR PAGE 4

अब लखनऊ विवि परिसर बनेगा तंबाकू मुक्त

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने परिसर में चलाया यलो लाइन कैंपेन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : अब लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर तंबाकू मुक्त परिसर बनेगा। यहां अब पूरी तरह पान बीड़ी सिगरेट और गुटके पर पाबंदी होगी। इसकी शुरुआत गुरुवार को यलो लाइन कैंपेन के साथ खुद कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने की है। उनका कहना है कि तंबाकू का स्वास्थ्य पर पढ़ने वाले दुष्प्रभावों को रोकने की एक पहल है। इसमें हमारे विवि के छात्र व छात्राएं भी सहयोग करेंगे।

यलो लाइन कैंपेन में हिस्सा लेते लविवि के कुलपति व छात्र। अमृत विचार

बता दें कि लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और उत्तर प्रदेश स्वैच्छिक स्वास्थ्य संस्थान से आए तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल ऑफिसर विवेक अवस्थी ने संयुक्त रूप से विवि परिसर में पीले रंग के गुब्बारे उड़ा कर तंबाकू मुक्त बनाने का प्रतीकात्मक संदेश दिया। वहीं कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने तंबाकू का स्वास्थ्य पर दुष्प्रभावों एवं तंबाकू सेवन छोड़ने के लिए दी जाने वाली सुविधाओं से संबंधित पोस्टर प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया।

कुलपति संग पदयात्रा में शामिल हुए छात्र

यलो लाइन कैंपेन के तहत कुलपति प्रो. राय ने छात्र व छात्राओं के संग परिसर में तंबाकू मुक्त अभियान के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए तंबाकू मुक्त परिसर पदयात्रा निकाली और सभी से तंबाकू का सेवन न करने की अपील की। इस अवसर पर स्वयं सेवकों ने परिसर में पदयात्रा के दौरान शिक्षक व छात्रों को गुलाब की कली दी और तंबाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक कर उनसे तंबाकू छोड़ने की अपील की।

लविवि के छात्र अब कर सकेंगे 'मत्स्य अनुवांशिक' में इंटर्नशिप

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

• लविवि और राष्ट्रीय मत्स्य अनुवांशिक संसाधन ब्यूरो के साथ हुआ करार

अमृत विचार : लखनऊ वेश्वविद्यालय (लववि) के छात्र अब मत्स्य अनुवांशिक इंटर्नशिप कर सकेंगे। इसको लेकर लविवि और राष्ट्रीय मत्स्य अनुवांशिक संसांधन ब्यूरो के साथ करार हुआ है।

गुरुवार को लखनऊ वेश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय मत्स्य अनुवांशिक संसांधन ब्यूरो के साथ दोनों संस्थाओं के मध्य शोधार्थियों को शैक्षणिक लाभ पहुंचाने के लिये करार किया है। यह अनुबंध लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व राष्ट्रीय मत्स्य अनुवांशिक संसांधन ब्यूरो के निदेशक डॉ. उत्तम कुमार सरकार के मध्य हस्ताक्षरित हुआ। इससे अब लविवि के जन्तु विज्ञान विभाग के परास्नातक व शोध छात्र व छात्राएं अब जन्तु विज्ञान विभाग के परास्नातक छात्र मत्स्य विभाग में इंटर्नशिप कर सकेंगे। माना जा रहा है कि शैक्षणिक गुणवत्ता में लाभ पहुंचेगा। शोध छात्र राष्ट्रीय मत्स्य अनुवंशिक संसांधन ब्यूरो के वैज्ञानिकों को अपना सह-पर्यवेक्षक बना सकते हैं साथ ही अपने शोध ग्रन्थ का कार्य करने में वहां पर उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठा सकते है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह दोनों संस्थानों के मध्य किया गया ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण कदम है जिसका लाभ हमारे छात्र-छात्राओं को बिना किसी गतिरोध के सीधे प्राप्त होगा। इस अवसर पर जन्तु विज्ञान विभाग की प्रो. गीतांजली मिश्रा, डॉ. कल्पना सिंह, डॉ. अमित त्रिपाठी और डॉ. मनोज कुमार भी उपस्थित रहे।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

यूथ फेस्ट के दूसरे दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मची धूम

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। लखनऊ के तीन प्रमुख डिग्री कॉलेज गुरु नानक पीजी कॉलेज, अटल बिहारी बाजपेई नगर निगम डिग्री कॉलेज और क्रिश्चियन पी जी कॉलेज में गुरूवार को कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के मार्ग निर्देशन में इंटरकॉलेजिएट यूथ फेस्ट की प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। नगर निगम डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ सुभाष चन्द्र पाण्डेय ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहायक नगर आयुक्त यमुनाधार चौहान एवं विभिन्न शिक्षण संस्थानों से आए अध्यापकों , प्रतिनिधि का स्वागत करते हुए सभी अतिथियों व प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को शुभकामना दी। मुख्य अतिथि यमुनाधर चौहान ने कहा कि प्रतियोगिता जीवन के प्रत्येक मोड़ पर होती हैं जिनको हमें अपने परिश्रम, विवेक से जीतना होता है। गुरु नानक पीजी कॉलेज में मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय से प्रो अलका पांडे और प्रसिद्ध गायक हर्षित मिश्रा रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ सुरभि गर्ग द्वारा दैनिक प्रार्थना देहि शिवा वर मोहे से हुआ। यहां आयोजित प्रतियोगिताओं में मुख्य रूप से एकल शास्त्रीय गायन, एकल लोक गायन, एकल वादन प्रतियोगिता और समूह लोकगीत थीं। क्रिश्चियन पी जी कॉलेज में शास्त्रीय नृत्य के साथ अन्य कई प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने हर्षोल्लास के साथ भाग लिया। हरदोई में सुभाष चंद्र बोस पीजी कॉलेज में युवा महोत्सव का रंगारंग आयोजन हुआ, जिसमें कॉलेज के प्रबंधक और प्राचार्य डॉ डीएन सक्सेना के साथ लखनऊ विश्वविद्यालय से सांस्कृतिकी के प्रतिनिधि डॉ संदीप कुमार पुंडीर और जे पी वर्मा पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर आई पी सिंह उपस्थित थे। नोडल अधिकारी के रुप में श्री अब्दुल्ला भी लखनऊ के महाविद्यालयों में उपस्थित रहे।

गुलाब की कली देकर तम्बाकू छोड़ने के लिए किया जागरूक

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर को तंबाकू मुक्त परिसर बनाने हेतु यलो लाइन कैंपेन का शुभारंभ गुरूवार को कुलपति, प्रो आलोक कुमार राय एवं उत्तर प्रदेश स्वैच्छिक स्वास्थ्य संस्थान से आए विवेक अवस्थी एवं तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल ऑफिसर ने संयुक्त रूप से पीले रंग के गुब्बारे उड़ाकर परिसर को तम्बाकू मुक्त बनाने का प्रतीकात्मक सन्देश दिया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने तंबाकू का स्वास्थ्य पर दुष्प्रभावों एवं तंबाकू सेवन छोड़ने के लिए दी जाने वाली सुविधाओं से संबंधित पोस्टर का भी उद्घाटन किया एवं कुलपति जी ने परिसर में तंबाकू मुक्त अभियान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए उपस्थित समस्त विद्यार्थियों के साथ तंबाकू मुक्त परिसर पदयात्रा के द्वारा सभी से तंबाकू का सेवन ना करने की अपील की। स्वयं सेवकों ने परिसर को तम्बाकू मुक्त परिसर बनाने हेतु पदयात्रा के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर लोगो को गुलाब ी कली देकर उन्हें तम्बाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक कर उनसे तम्बाकू छोड़ने की अपील की। इस कार्यक्रम के अवसर पर प्रो पूनम टंडन छात्र कल्याण अधिष्ठाता, संजय मेधावी कुलसचिव, प्रो राकेश द्विवेदी, मुख्य कुलानुशासक, प्रो रूपेश कुमार कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना, प्रो संगीता साहू निदेशक आइक्यूएसी, डा दुर्गेश श्रीवास्तव निदेशक आईपीपीआर, प्रो अनूप कुमार भारतीय विभागाध्यक्ष समाज कार्य विभाग, डा केया पाण्डेय, प्रॉक्टोरियल बोर्ड के विभिन्न सदस्य एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डा ओ पी शुक्ल, डा राहुल पाण्डेय, डा राजेश्वर यादव, डा मोहिनी गौतम व स्वयंसेवक उपस्थित रहे। उपरोक्त कार्यक्रम का आयोजन मास्टर ऑफ़ पब्लिक हेल्थ कम्युनिटी मेडिसिन के छात्राओं , राष्ट्रीय सेवा योजना लविवि एवं उत्तर प्रदेश वोलंटरी हेल्थ एसोसिएशन के संयुक्त सौजन्य से किया गया।

VoL PAGE 5

लविवि में चला यलो लाइन कैंपेन

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

● तंबाकू मुक्त परिसर बनाने के लिए चला अभियान

लखनऊ। लविवि परिसर को तंबाकू मुक्त परिसर बनाने के लिए यलो लाइन कैंपेन की शुरूआत लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय और उत्तर प्रदेश स्वैच्छिक स्वास्थ्य संस्थान से आये विवेक अवस्थी एवं तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल ऑफिसर ने संयुक्त रूप से पीले रंग के गुब्बारे उड़ाकर परिसर को तम्बाकू मुक्त बनाने का प्रतीकात्मक संदेश दिया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने तंबाकू का स्वास्थ्य पर दुष्प्रभावों एवं तंबाकू सेवन छोड़ने के लिए दी जाने वाली सुविधाओं से संबंधित पोस्टर का भी उद्घाटन किया और कुलपति ने परिसर में तंबाकू मुक्त अभियान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए उपस्थित समस्त विद्यार्थियों के साथ तंबाकू मुक्त परिसर पदयात्रा के द्वारा सभी से तंबाकू का सेवन न करने की अपील की। स्वयं सेवकों ने परिसर को तम्बाकू मुक्त परिसर बनाने के लिए पदयात्रा के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर लोगो को गुलाब की कली देकर उन्हें तम्बाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक कर उनसे तम्बाकू छोड़ने की अपील की।

लविवि और एनबीएफजेआर के बीच हुआ एमओयू

लखनऊ। लविवि ने भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय मत्स्य अनुवांशिक संसाधन ब्यूरो के साथ दोनों संस्थाओं के मध्य शोधार्थियो को शैक्षणिक लाभ पहुंचाने के लिए गुरूवार को एमओयू हुआ। इस पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय मत्स्य अनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (एनबीएफजेआर) के निदेशक डा. उत्तम कुमार सरकार के मध्य हस्ताक्षरित हुआ। जिससे विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग के परास्नातक व शोध छात्र-छात्रायें लाभान्वित होंगे। जन्तु विज्ञान विभाग के परास्नातक छात्र वहां पर इंटर्नशिप व शोध निबंध कार्य कर पायेंगे, जिससे उनकी शैक्षणिक गुणवत्ता में लाभ पहुचेगा। शोध छात्र भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय मत्स्य अनुवंशिक संसांधन ब्यूरो (एनबीएफजेआर) के वैज्ञानिकों को अपना सह-पर्यवेक्षक बना सकते है तथा अपने शोध ग्रंथ का कार्य करने में वहां पर उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठा सकते है। यह दोनों संस्थानों के मध्य किया गया ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण कदम है जिसका लाभ हमारे छात्र-छात्राओं को बिना किसी गतिरोध के सीधे प्राप्त होगा।

LOK SATYA PAGE 3

गुरुनानक कालेज के स्टूडेंट्स ने यूथ फेस्ट में भरे सांस्कृतिक रंग

प्रतियोगिता

• विभिन्न कालेजों में इंटरकॉलेजिएट यूथ फेस्ट

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ के तीन प्रमुख डिग्री कॉलेज श्री गुरु नानक पीजी कॉलेज, अटल बिहारी बाजपेई नगर निगम डिग्री कॉलेज और क्रिश्चियन पीजी कॉलेज में इंटरकॉलेजिएट यूथ फेस्ट में स्टूडेंट्स ने सांस्कृतिक रंग भरे। नगर निगम डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ सुभाष चन्द्र पांडेय, मुख्य अतिथि सहायक नगर आयुक्त यमुनाधार चौहान, विभिन्न शिक्षण संस्थानों के शिक्षक व प्रतिनिधि शामिल रहे। श्री गुरु नानक पीजी कॉलेज में मुख्य अतिथि एलयू की प्रो अलका पांडे और चर्चित गायक हर्षित मिश्र रहे।

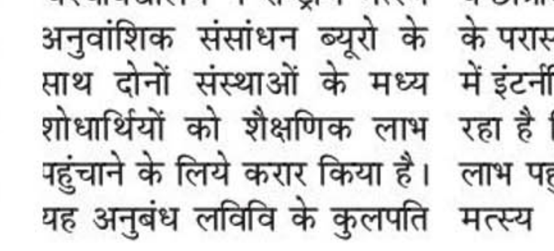

प्राचार्य डॉ सुरभि गर्ग ने दैनिक प्रार्थना देहि शिवा वर मोहेसे शुरुआत की। प्रतियोगिताओं में मुख्य रूप से एकल शास्त्रीय गायन, एकल लोक गायन, एकल वादन प्रतियोगिता और समूह लोकगीत में स्टूडेंट्स ने हुनर दिखाए। हरदोई में सुभाष चंद्र बोस पीजी कॉलेज में युवा महोत्सव में प्रबंधक और प्राचार्य डॉ डीएन सक्सेना, एलयू सांस्कृतिकी प्रतिनिधि डॉ संदीप कुमार पुंडीर और जेपी वर्मा पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ आईपी सिंह मौजूद थे। नोडल अधिकारी अब्दुल्ला भी लखनऊ के महाविद्यालयों में मौजूद रहे।